



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

19 श्रावण 1931 (श०)  
(सं० पटना 413) पटना, सोमवार, 10 अगस्त 2009

सं० 1482  
पर्यटन विभाग

बिहार पर्यटन नीति, 2009  
संकल्प  
24 जुलाई 2009

#### विषय:—राज्य के त्वरित पर्यटन विकास के लिये बिहार पर्यटन नीति, 2009

पिछले बीस वर्षों में 5% प्रति वर्ष से अधिक की विकास दर के साथ पर्यटन दुनिया के एक बड़े उद्योग के रूप में विकसित हुआ है। वैश्विक रूप से विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 11% तथा विश्व व्यापार नियोजन में 8% योगदान पर्यटन का है। पूरी दुनिया में यह मान्यता बढ़ रही है कि गरीबी को कम करने, रोजगार पैदा करने, पर्यावरण का पुनरुद्धार करने तथा धारणीय विकास को बढ़ाने में पर्यटन की अहम भूमिका है।

भारत में पर्यटन और यात्रा क्षेत्र 93 लाख लोग को रोजगार उपलब्ध कराता है और आशा है कि वर्ष 2010 तक 129 लाख लोग इसमें नौकरी पायेंगे। इसका यह अर्थ हुआ कि देश में वर्ष 2010 तक पर्यटन उद्योग 15 लोगों में से एक को नौकरी उपलब्ध कराएगा। राज्य में पर्यटक द्वारा खर्च किया गया हरेक रुपया का तेरह बार विनिमय होता है। हरेक होटल का कक्ष तीन व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करता है तथा आठ व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रोजगार का अवसर प्रदान करता है।

बिहार में पर्यटन विकास— वर्तमान स्थिति और संभावना

बिहार धार्मिक तथा सांस्कृतिक विरासत वाले स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। बिहार का नाम 'विहार' अथवा 'मठ' शब्द से निकला है और यह बौद्ध धर्म के अनुयायियों का प्रारंभिक घर था। इतिहास एवं धर्म से ओत-प्रोत बिहार महान सम्राट अशोक एवं भगवान महावीर की जन्म स्थली है। भारत के सभी प्रमुख धर्मों ने यहाँ अपना प्रभाव छोड़ा है जिससे बिहार एक महान धार्मिक मिलन स्थल बन गया है। यह वही महान भूमि है जहाँ भगवान बुद्ध ने बोधगया में पवित्र बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। बोधगया अब विश्व विरासत स्थल है तथा पूरी दुनिया के बौद्ध पर्यटकों को यह आकर्षित कर रहा है। बिहार में भगवान महावीर का निर्वाण स्थल— पावापुरी जैन धर्मावलंबियों को आकर्षित करता है। सिखों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह जी की जन्म स्थली पटना साहिब पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ सम्राट अशोक द्वारा स्थापित शेर का मुखवाला स्तंभशीर्ष भी है जो अपने सिर को पूरी भव्यता के साथ ऊँचा कर दो हजार वर्षों से भी अधिक से खड़ा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा केसरिया में 'अब तक के सबसे बड़े बुद्ध स्तूप' की खोज के साथ बिहार का ऐतिहासिक महत्व फिर से स्थापित हुआ है।

राज्यों के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्मारक किसी न किसी तरीके से राज्य में पर्यटन को परिभाषित करते हैं। तथापि, राज्य के विकास की प्राथमिकताओं एवं कार्य नीतियों में पर्यटन क्षेत्र का योगदान अब तक अपेक्षाकृत सीमित ही रहा है। इस क्षेत्र की प्रतियोगी शक्तियों और कमजोरियों, अवसरों (स्वोट विश्लेषण) की समीक्षा से परिलक्षित होता है कि यह पर्याप्त वृद्धि की क्षमता रखता है।

पर्यटन की दृष्टि से बिहार की महान प्रतियोगी शक्ति इसकी प्राचीन तथा अभी तक जीवंत सभ्यता में है जिसने विश्व के दो महान धर्मों यथा बौद्ध एवं जैन को आगे बढ़ाया है। बिहार हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख तथा इस्लाम के धार्मिक क्रियाकलापों का केन्द्र बिन्दु था। सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से सम्पन्न बिहार, विशाल तथा शक्तिशाली मगध साम्राज्य के शासन का केन्द्र था जिसने महान सिकन्दर को विश्वविजयी बनने से रोक दिया। उच्च शिक्षा के केन्द्र के रूप में यह प्राचीन विश्वविद्यालयों, नालन्दा और विक्रमशिला, की भूमि है जिसने दुनिया के विभिन्न देशों से आए आपने छात्रों के द्वारा ज्ञान को दूर-दूर तक फैलाया। इन दो प्राचीन विश्वविद्यालयों के भग्नावशेष तथा शिल्प-तथ्य पर्यटकों को पहले से ही आकर्षित कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि बिहार प्राचीन काल से घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। चीन के यात्रियों, ह्वेन संग और फाहियान ने अपनी यात्रा-वृत्तांतों में बिहार की ऐतिहासिक भव्यता का वर्णन किया है जो पर्यटकों के लिए उपयोगी है, चाहे वे किसी भी आयु या वर्ग के क्यों न हों। बिहार का अन्य सभ्यताओं के साथ सम्पर्क इसके लोगों की सम्पन्न सांस्कृतिक विविधता, इसकी परम्पराओं, रीतियों, धार्मिक क्रियाकलापों, त्यौहारों, वास्तु शिल्प तथा कला और शिल्प में झलकती है। इस राज्य की यात्रा करने से बेजोड़ पाक प्रणाली के अतिरिक्त इतिहास, वास्तुशिल्प, योग, पर्यावरणीय पर्यटन, मेले और त्यौहारों का रहस्योद्घाटन होता है।

बिहार में पर्यटन क्षेत्र के सामने प्रमुख प्रतियोगी दबाव निम्नलिखित हैं— राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों के आसपास खराब वातावरण, राज्य का सुरक्षा परिदृश्य ऐसा होना जो बिहार में सकुशल एवं निरापद गन्तव्य स्थान की मान्यता को प्रभावित करता हो, पर्यटकों को आकर्षित करने वाले स्थलों पर सुविधाओं एवं सेवाओं की गुणवत्ता, परिवहन सेवा तथा संबंधित आधारभूत संरचना का परिमाण तथा गुणवत्ता, पर्यटन स्थल पर तथा बाजार में पर्यटन सूचना की सीमित उपलब्धता, घरेलू तथा अन्तरराष्ट्रीय बाजारों में बिहार का अपर्याप्त विपणन, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में सीमित तथा निम्न स्तर की सुविधाएँ एवं सेवाएँ और निजी क्षेत्र द्वारा आकर्षक परियोजनाओं के लिए सीमित वित्त पोषण।

बिहार के समक्ष मुख्य प्रतियोगी अवसर निम्नलिखित हैं:—

1. विभिन्न धार्मिक मान्यताओं वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में अपनी शक्ति का विकास करना;
2. अनेक देशों से बौद्ध धर्मावलंबियों को आकर्षित करने के लिए बौद्ध सर्किट को बढ़ावा देना;
3. विशाल अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार में अपनी भागीदारी को बढ़ाकर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास का उत्तोलन;
4. कला, शिल्प तथा हस्त करघा की समृद्ध परम्परा के इर्द-गिर्द ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देकर विशाल क्षमता का दोहन और
5. अन्तरराष्ट्रीय तथा घरेलू पर्यटकों का अच्छी संख्या में आकर्षित करने हेतु योग की क्षमता का उत्तोलन कर Well-being Centres की स्थापना।

पर्यटन क्षेत्र के विकास के मुख्य आंतरिक खतरे, ऊपर चिन्हित दबावों के प्रभावी समाधान में कठिनाई/विलम्ब होना है। इनके अन्तर्गत सुरक्षा, अनिश्चितता, प्रशिक्षित लोगों की अनुपस्थिति, अपर्याप्त संयोजन, आवास और सड़क, बिजली आदि के समान अन्य बुनियादी आधारभूत संरचना और राज्य में पर्यटक स्थलों का बाजार बनाने में असफल होना, आते हैं। राजस्थान, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों से प्रतियोगिता बाह्य खतरों को संबोधित नहीं कर रहे हैं। यदि हम राज्य में पर्यटकों के आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि करना चाहते हैं तो हमें चिह्नित खतरों को दूर करने पर ध्यान केन्द्रित करना होगा तथा खतरों का मुकाबला करने तथा अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए समुचित योजनाओं को अपनाकर तथा उनका कार्यान्वयन कर अवसरों का दोहन करना होगा।

पर्यटन विकास उद्देश्य और रणनीति

मुख्य उद्देश्य

- पर्यटन को राज्य की प्राथमिकता सूची में स्थान देना
- पर्यटन विकास के प्रधान अवयव के रूप में घरेलू पर्यटन पर ध्यान केन्द्रित करना
- सांस्कृतिक, धार्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देना।
- सामाजिक तथा आर्थिक लाभ को बढ़ाने और रोजगार का अवसर बढ़ाने सहित आर्थिक लाभों में परिणामी वृद्धि के लिए उद्योग की दक्षता में सुधार करना।
- यात्रा, व्यापार तथा पर्यटन उद्योग सहित सभी पणधारियों की भागीदारी को सुनिश्चित करना।
- विश्व स्तरीय आधारभूत संरचना का निर्माण करना।

- 'पर्यटन जागरूकता और संवर्धन अभियान' के नाम से ज्ञात व्यावसायिक रूप से प्रबंधित समेकित संचार रणनीति का कार्यान्वयन एवं उसकी योजना बनाना।
- सभी घरेलू एवं अन्तरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं एवं पणधारियों को गुणवत्ता पूर्ण सेवा उपलब्ध कराना।
- मुख्य पर्यटक स्थलों की **Connectivity** में सुधार।

विकास के लिए रणनीति

1. पर्यटन सुरक्षा बल का गठन:-

- राज्य सरकार पर्यटकों के सुरक्षा एवं मैत्रीपूर्ण सेवा के लिये पर्यटन सुरक्षा बल की नियुक्ति करेगी। इसके लिये सुयोग्य बलों का चयन कर अथवा आऊट सोर्सिंग के तहत निजी क्षेत्र से वांछित अर्हताधारी सुयोग्य बल प्राप्त कर राज्य के महत्वपूर्ण चयनित पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिनियुक्त किया जायेगा।

2. चिह्नित सर्किटों के समेकित विकास और विपणन हेतु प्रमुख योजना (मास्टर प्लान) तैयार करना और कार्यान्वित करना:-

- राज्य योजनाओं एवं केन्द्रीय सहायता के अन्तर्गत कार्यान्वित की गई पर्यटन परियोजनाएँ पर्यटन की आधारभूत संरचना के अन्तरराष्ट्रीय मानक के निर्माण की दृष्टि से अपना प्रभाव छोड़ने में असमर्थ रही है। 10 वर्षों के लिए एक मास्टर योजना का विकास कर उसे कार्यान्वित किया जाएगा जिसमें सरकार तथा निजी क्षेत्र दोनों द्वारा वार्षिक रूप से निवेश किया जाएगा। ऐसी योजना में दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन योजनाओं, उनके लक्ष्य तथा वास्तविक स्थिति का स्पष्ट उल्लेख होगा।
- मास्टर योजना के अधीन निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निजी निवेशों के साथ बाहरी सहायता, केन्द्रीय सहायता और राज्य योजना संसाधन में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

3. आवास, खान-पान एवं मनोरंजन सुविधाओं में वृद्धि करना:-

- बिहार में होटल की सुविधा सभी दृष्टि से अपर्याप्त है और बजट होटलों का निर्माण कर न केवल प्रति हजार औसत शय्याओं को बढ़ाने की आवश्यकता है बल्कि अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पर्यटकों को उच्च स्तरीय सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए सभी महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों पर स्टार श्रेणी वाले होटलों के निर्माण की भी आवश्यकता है। निजी क्षेत्र को चिह्नित सर्किटों में बाजार मूल्य/पट्टा/संयुक्त उद्यम पर स्टार श्रेणी वाले होटलों के निर्माण के लिए निर्धारित भूमि उपलब्ध कराने हेतु 'भूमि बैंकों' का विकास किया जाएगा।
- मार्गस्थ सुविधा पर्यटन का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसके लिए सार्वजनिक एवं निजी निवेश द्वारा उच्च पथों पर बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित आरामदायक विश्राम गृह तथा उसके बगल में ईंधन भरने वाले स्टेशन (पेट्रोल पम्प) बनाए जायेंगे।
- राज्य सरकार पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने के लिए विरासत वाले होटलों (हेरिटेज होटल) की स्थापना को प्रोत्साहित करेगी जो विरासत वाले भवनों तथा महलों की पहचान कर उन्हें विरासत वाले होटलों में परिवर्तित कर की जा सकेगी।
- राज्य सरकार पर्यटन विकास की धारा के प्रति इच्छुक परिवारों एवं मकान मालिकों, घरों की पहचान कर तथा उसे रजिस्ट्रीकृत कर पेइन्ग गेस्ट स्कीम शुरू करने की संभावनाओं की तलाश करेगी।
- ऐतिहासिक स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों पर मनोरंजन के लिए निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी कर प्रकाश तथा ध्वनि शो, लेजर शो, मल्टीमीडिया म्यूजियम का विकास करेगी।
- अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये राज्य सरकार निजी क्षेत्र को विश्वस्तरीय मनोरंजन पार्कों, गोल्फ कोर्स, कैसिनो, तरणशील रेस्तराँ के निर्माण हेतु प्रोत्साहित करेगी।

4. **Connectivity** एवं परिवहन सुविधाओं का सम्वर्धन:-

- पर्यटकीय स्थलों को विश्व स्तरीय सड़क से जोड़ना।
- अधिक विशिष्ट वाहनों का परिचालन।
- पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार विशेष पर्यटक रेलगाड़ियों का परिचालन।
- चिह्नित सर्किटों में हवाई टैक्सी सेवा और हेलिकॉप्टर सेवा प्रारंभ।

5. नये बाजार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्यटन उत्पादों में सुधार तथा विस्तार:-

- बुद्ध, जैन और सिख सर्किटों जैसे चिह्नित सर्किटों को अन्तरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटक स्थल बनाने हेतु सभी संसाधनों और विशेषज्ञता को लगा कर आधारभूत संरचनाओं में सुधार करना।
- रामायण, सूफी तथा गाँधी सर्किटों की तरह नये सर्किटों का उन्नयन एवं विकास
- बिहार की अनूठी सांस्कृतिक विरासत है। यहाँ संरक्षित स्मारकों की विशाल श्रृंखला है तथा एक विश्व धरोहर स्थल है। कई अन्य स्थल भी हैं, यथा संसार का सबसे पुराना विश्वविद्यालय नालन्दा के भग्नावशेष

जिसमें विश्व धरोहर स्थल बनने की क्षमता है। ऐतिहासिक स्मारकों के इर्द-गिर्द क्षेत्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं समेकित विकास कर सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा।

- ग्रामीण इलाकों में सामाजिक-आर्थिक लाभ के विस्तार हेतु बिहार की कला एवं शिल्प को लेकर पर्यटन का विकास करना तथा उसे बढ़ावा देना। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मधुबनी, गया, नालन्दा और भागलपुर जिलों में मधुबनी चित्रकला, पथरकट्टी, हथकरघा एवं तसर बुनाई में लगे चयनित गाँवों को पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए लिया जाएगा। बिहार में हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के मद्देनजर पर्यटक स्थल के निकट 'शिल्प ग्राम' तथा हस्तशिल्प बाजार स्थापित किए जायेंगे।
- राजगीर और मुंगेर में गर्म पानी के झरने से गंधक जल का उपयोग कर जल चिकित्सा और योग पर आधारित 'स्वस्थता पर्यटन' को बढ़ावा देना। बिहार में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात योग विश्वविद्यालय है तथा चिकित्सीय गुण से युक्त गंधक जल वाले अनेक झरने हैं। व्यक्ति के सभी आयाम— शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक पक्ष को स्वस्थ करने तथा पुनर्जीवन प्रदान करने वाला बिहार का यह सर्वाधिक अनूठा पर्यटन उत्पाद हो सकता है। 'योग' का ज्ञान ऐसा ज्ञान है जिसे वे सीख कर तथा अपने दैनिक जीवन में इसका अभ्यास कर दुःख से निजात पाकर शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।
- पर्यटन उत्पाद में वन्यजीव अभ्यारण्यों और वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान को मिलाकर पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देना। राज्य अपने वन्यजीव अभ्यारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यान के आस-पास पर्यटक सुविधाओं को विकसित करने का प्रयास करेगा तथा इन स्थलों पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विशेष पैकेजों का विकास करेगा।
- गंगा नदी के किनारों पर अवस्थित ऐतिहासिक स्थलों को पोतयात्रा से जोड़कर गंगा को एक अनूठे पर्यटक उत्पाद का रूप देना।
- पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए पटना, भागलपुर जैसे चिह्नित स्थलों पर नदी के सामने वाले भाग का विकास किया जाएगा। नदी रैफ्टिंग, पारा सेलिंग आदि जैसे जल क्रीड़ाओं का विकास कर जल पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

6. मानव संसाधन विकास के संस्थानों को स्थापित करना और सुदृढ़ करना:—

- आतिथ्य और यात्रा एवं व्यापार क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों का पूल बनाने के लिए होटल प्रबन्धन संस्थानों, खाद्य शिल्प संस्थानों और यात्रा एवं व्यापार संस्थानों की स्थापना।
- सभी पर्यटक स्थलों पर विभिन्न भाषा बोलने वाले सुविज्ञ मार्गदर्शकों (गाईड) की आवश्यकता की पूर्ति के लिए विशेषकर विदेशी भाषा बोलने वाले मार्गदर्शकों का प्रशिक्षण देने का काम किया जाएगा।
- भारत सरकार के 'सामर्थ्य निर्माण कार्यक्रम' के अन्तर्गत पर्यटन के सभी पणधारियों जैसे आप्रवास पदाधिकारियों, सीमा-शुल्क पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, टैक्सी चालकों आदि के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

7. घरेलू और अन्तरराष्ट्रीय बाजार दोनों में पर्यटक स्थलों का प्रभावी विपणन:—

- अपने वर्तमान परम्परागत विपणन के तौर-तरीकों को अधिक आक्रामक एवं प्रतियोगी बनाना।
- बाजार में अपनी विलक्षण स्थिति, छवि और ब्रान्ड का विकास सहित प्रतियोगी स्थलों पर अपनी सुभिन्नता की स्थिति बनाना।
- प्रत्येक स्रोत बाजार में यात्रा व्यापार के साथ अपना प्रभावी तथा निरंतर बाजार प्रतिनिधित्व के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना।
- प्रमुख महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन मेलों में भाग लेकर बिहार के प्रमुख पर्यटक स्थलों का प्रदर्श लगाना।
- बिहार के पर्यटक स्थलों के संबंध में प्रमुख राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सैर संचालकों (टूर ऑपरेटर्स) एवं मीडिया वालों को बिहार के पर्यटन स्थलों के बारे में प्रत्यक्ष सूचना उपलब्ध कराने हेतु सुपरिचित कराने वाले भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करना।
- राज्य के पर्यटक सूचना केन्द्रों को नई सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई0सी0टी0)—कम्प्यूटर, फैक्स, इंटरनेट, ई-मेल आदि, से सुसज्जित कर सुदृढ़ करना। यह पर्यटकों को पर्यटक स्थलों, होटल आरक्षण, परिवहन सुविधाओं आदि से संबंधित सूचना उपलब्ध कराने में मदद करेगी।
- हरेक स्रोत बाजार में लक्षित बाजार खंडों को सूचना, उत्पाद विवरणी एवं उत्पाद बिक्री की सेवा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न भाषाओं में इंटरनेट पोर्टल की स्थापना।

8. घरेलू पर्यटन और क्षेत्रीय पर्यटन पर ध्यान/सहयोग:—

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु पर्यटन का विकास करते समय घरेलू एवं क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के महत्व को भी ध्यान में रखा गया है। घरेलू पर्यटन का बाजार अधिकांशतः स्थानीय तथा क्षेत्रीय होता है इसलिए बिहार में घरेलू पर्यटकों, विशेषकर धार्मिक पर्यटकों, को आकर्षित करने के लिए उनके आगमन को सरल

बनाकर, आवास की सुविधा में सम्बर्धन करने तथा यात्रा पैकेजों का विकास करने का प्रयास किया जायगा। इस क्षेत्र के अन्तर्गत असीमित पर्यटन क्षमता का दोहन के लिए पड़ोसी राज्यों के पर्यटन विकास निगमों के साथ समन्वय कर पैकेज बनाने को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

9. राज्य के कला, शिल्प, पर्व-त्योहारों एवं पाक-प्रणाली का प्रोत्साहन:-

- राज्य में सोनपुर मेला, छठ पर्व, राजगीर महोत्सव एवं बौद्ध महोत्सव जैसी अनूठी घटनाएँ, मेले एवं पर्व-त्योहार होते हैं, जिन्हें पर्यटन उत्पाद के रूप में प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इन अनूठी घटनाओं को पर्यटन के साथ जोड़ा जाएगा तथा इन घटनाओं के दौरान अधिक संख्या में अन्तरराष्ट्रीय एवं घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विशेष पर्यटक पैकेज विकसित एवं प्रोत्साहित किए जायेंगे। प्रत्येक वर्ष आयोजनों का पंचांग तैयार किया जाएगा और इसकी सूचना सभी स्रोत देशों एवं राज्यों को दी जाएगी।
- राज्य की अनूठी पाक प्रणाली जैसे खाजा, लाई, बेलग्रामी, तिलकुट, लिट्टी-चोखा, सत्तु और मखाना से बने खाद्य पदार्थों को 'खाद्य मेले' का आयोजन कर प्रोत्साहित किया जाएगा तथा रेस्तराँ के माध्यम से तथा पर्यटक मेले आयोजित कर इनकी बिक्री सुनिश्चित की जाएगी।

राज्य सरकार की भूमिका:-

1. राज्य सरकार की भूमिका आधारभूत संरचना के उत्प्रेरक, मददगार, प्रोत्साहक एवं संभरक की होगी।

2. पर्यटन विकास के प्रयास में संलग्न एजेंसियों में समन्वय स्थापित करने के लिये प्रशासनिक तन्त्र (पर्यटन प्रोत्साहन एवं विकास परिषद्/Tourism Promotion and Development Council) की स्थापना की जायेगी। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में पर्यटन के हर-सम्भव विकास हेतु पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी पणधारियों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक रणनीति बनाना एवं समय-समय पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना होगा। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम उक्त परिषद् के कार्यकारी एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

3. राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र में आधारभूत संरचना विकास के लिए प्रयास जारी रखेगी। आधारभूत संरचना विकास के महत्वपूर्ण घटक निम्नलिखित हैं:- पर्यटकों की बढ़ी हुई संख्या के लिए आवास की व्यवस्था, पर्यटक सर्किटों में उच्च पथों का निर्माण, पूर्ण उड़्डयन सुविधाओं से लैस अन्तरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे, स्थानीय परिवहन, सभी सुखसुविधाओं के साथ पर्यटक स्थलों को जोड़ने वाले रेल मार्ग, महत्वपूर्ण दूर संचार सम्पर्क, लगातार गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, जलापूर्ति और अन्य आवश्यक सुख सुविधा।

4. सरकार पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए अनुकूल स्थिति बनाएगी। इसके लिए यह राजकोषीय प्रोत्साहन मुहैया कराएगी, 'भूमि बैंक' स्थापित कर उपयुक्त स्थलों को उपलब्ध कराने में मदद करेगी और विशेषकर आधारभूत संरचना विकास से सम्बद्ध कठिनाइयों को दूर करेगी।

5. राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना करेगी अथवा स्थापित करने में मदद करेगी। राज्य तथा स्थानीय, दोनों स्तरों पर मार्गदर्शकों (गाईड) के चयन एवं प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शिका बनाई जाएगी। पर्यटन विभाग मार्गदर्शिका के अनुसार चयनित एवं प्रशिक्षित मार्गदर्शकों को लाइसेंस उपलब्ध कराएगी।

6. प्रमुख पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा बल की तैनाती हेतु विशेष पर्यटन सुरक्षा बल का गठन किया जाएगा। शिष्टाचार और आतिथ्य सत्कार की भावना के साथ यह यात्रियों को सुरक्षा मुहैया कराएगी।

7. होटलों, यात्रा अभिकर्ताओं/यात्रा संचालकों के लिए मार्गदर्शिका बनाकर पर्यटन उत्पाद एवं सेवाओं की गुणवत्ता को मानकीकृत किया जाएगा।

8. अनेक पणधारियों की सहभागिता के साथ पर्यटन के अन्तर्गत बहुक्षेत्रीय क्रियाकलाप होते हैं। पर्यटन विकास के प्रयास में संलग्न एजेंसियों में समन्वय स्थापित करने के लिए एक प्रशासनिक तन्त्र तैयार किया जाएगा।

9. राज्य सरकार पर्यटन पर सेमिनार, विज प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, प्रदर्शनी और फिल्म प्रदर्शनी आयोजित कर आर्थिक विकास एवं रोजगार के अवसर पैदा करने में पर्यटन की सकारात्मक भूमिका के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास करेगी। विद्यालय पाठ्यक्रम में 'पर्यटन' को शामिल करने की कोशिश की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए विशेष यात्रा पैकेजों को विकसित कर विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तरों पर शैक्षिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

10. राज्य सरकार बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के साथ मिलकर विपणन की योजना की सहायता से बिहार में पर्यटक स्थलों एवं पर्यटन उत्पादों के विपणन एवं प्रोत्साहन की अग्रणी भूमिका निभाएगी।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की भूमिका:-

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बी0एस0टी0डी0सी0), जिसका अनुश्रवण इसके पैतृक पर्यटन विभाग द्वारा किया जाता है, राज्य सरकार की नोडल कार्यकारी एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। इसका प्रारंभिक उद्देश्य पर्यटक हित के अछूते क्षेत्रों में होटल जैसे आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ स्थापित करना है। एकबार जब ये क्षेत्र विकसित हो जायेंगे तब बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम सुविधाओं के निजीकरण की कोशिश करेगा और पर्यटक हित के अन्य अविकसित क्षेत्रों में उसी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराने की ओर कदम बढ़ाएगा।

पर्यटन प्रोत्साहन एवं विकास परिषद् के साथ समन्वय स्थापित करते हुए राज्य के पर्यटन उद्योग के चहुमुखी विकास हेतु कार्यकारी एजेन्सी के रूप में कार्य करेगा।

विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना स्थापित करने के लिए बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम निजी क्षेत्र से निवेश को सुलभ बनाने और संयुक्त उद्यम की कंपनियों के गठन के लिए राज्य पर्यटन विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक एजेंसी की अपनी भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करेगा।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम पर्यटकों को यातायात सुविधा उपलब्ध कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहेगा खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ निजी सेवायें नहीं हैं अथवा अपर्याप्त हैं। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम राज्य के सभी महत्वपूर्ण हवाई अड्डे एवं स्टेशनों पर 'पूर्व संदत्त (प्री पेड) टैक्सी' की सुविधा का भी विस्तार करेगा। इसके लिए निगम अपने बेड़े को बढ़ाकर और निजी संचालकों के साथ भागीदारी कर दोहरी रणनीति अपनाएगा।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम राज्य में पर्यटक हित के प्रमुख स्थलों को शामिल करने वाले यात्रा पैकेजों को संचालित करने का अपना प्रयास जारी रखेगा। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम पड़ोसी राज्यों के पर्यटन निगमों/बोर्डों की भागीदारी से पैकेज बनाकर क्षेत्रीय पर्यटन को प्रोत्साहित करने का प्रयत्न करेगा। क्रेडिट कार्डों के माध्यम से बुकिंग की सुविधा देने के लिए भ्रमण और यात्रा पैकेज की ऑन-लाईन आरक्षण सुविधा बढ़ाई जाएगी।

विशेष प्रोत्साहन

उद्योग के रूप में पर्यटन:-

“पर्यटन उद्योग” का आशय है पर्यटन उद्योग से संबंधित सभी कार्यकलाप यथा- पर्यटन आकर्षण/ पर्यटन को बढ़ावा देने वाली सभी कन्वेन्शन सेन्टर, आर्ट गैलरी, मनोरंजन पार्क, आकाशीय रज्जू पथ, पर्यटन ग्राम स्थापित करना। साऊण्ड एवं लाईट, टूरिज्म को आकर्षित करने हेतु खेल-कूद सुविधा, मनोरंजन क्लब, स्वीमिंग पूल, आवास, सभी श्रेणियों के होटल, मोटल, मार्गीय सुविधाएँ, रिसोर्ट्स, योग केन्द्र, यातायात की सुविधा (वायु, स्थल एवं जल यातायात) होटल-कैटरिंग-पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान के सभी आधारभूत संरचनाओं की स्थापना, निर्माण, विकास एवं संचालन।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के साथ-साथ निजी उद्यमियों के लिए निम्नलिखित प्रोत्साहन उपलब्ध होंगे :-

- पर्यटन परियोजना स्थापित करने के लिए भूमि को पट्टे पर लेने/उसकी बिक्री/ उसके अन्तरण से संबंधित स्टाम्प शुल्क एवं रजिस्ट्रीकरण शुल्क में पूरी (100%) छूट। यह सुविधा मात्र एक बार दी जाएगी।
- वाणिज्यिक प्रक्रियाओं के प्रारम्भ होने से सात वर्षों तक नई परियोजनाएँ विलासिता (लक्जरी) कर से मुक्त होंगी।
- सात वर्षों तक विद्युत शुल्क में पूरी (100%) छूट।
- संपरिवर्तन प्रभार में पूरी (100%) छूट।
- पर्यटन इकाई द्वारा तैयार परियोजना रिपोर्ट में उपगत खर्च की 50% की दर से अधिकतम 75,000/- रुपये की प्रतिपूर्ति परन्तु परियोजना रिपोर्ट उद्योग विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त किसी फर्म द्वारा तैयार किया गया हो। इकाई शुरू होने के पश्चात् प्रतिपूर्ति की जाएगी।
- बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार/निर्यात उन्नयन औद्योगिक पार्क/खाद्य पार्क/ कृषि निर्यात क्षेत्र (जोन) में स्थित पर्यटन इकाईयों भूमि/रोड पर निम्नलिखित प्रोत्साहन/सब्सिडी के योग्य होंगी। पर्यटन इकाईयों को ये सुविधाएँ उनके प्रारंभ होने के पश्चात् उपलब्ध कराई जायेंगी।

क्रम संख्या	पर्यटन इकाई	अनुदान
1.	लघु/बहुत छोटी इकाईयों की वित्तीय सीमा	7.50 लाख रुपये का 50% (अधिकतम)
2.	सभी बृहत/मध्यम/विशाल इकाईयों की वित्तीय सीमा	15.00 लाख रुपये का 25% (अधिकतम)

- यदि कोई उद्यमी अपने उद्योग को स्थापित अथवा विस्तारित करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र/प्रयोगशाला अथवा संस्थान से तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर लेता हो तो उसके द्वारा तकनीकी ज्ञान के लिए संस्थान/संगठन को संदत्त शुल्क के 30% (अधिकतम 15.00 लाख रुपये) की प्रतिपूर्ति की जाएगी। यह सुविधा इकाई के शुरू होने के पश्चात् उपलब्ध कराई जाएगी।
- कैपिटल विद्युत उत्पादन/डीजल जेनरेटिंग सेट की स्थापना में संयंत्र एवं मशीनरी पर हुए खर्च का 50% इकाई को प्रदान किया जाएगा। इसके लिए अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं की गयी है। यह सुविधा इकाई के शुरू होने के पश्चात् उपलब्ध कराई जाएगी।

- नई पर्यटन इकाइयों को डीजल जेनरेटिंग सेट और कैपटिव विद्युत इकाइयों से विद्युत उत्पादन तथा अपनी खपत के लिए बिहार विद्युत शुल्क अधिनियम, 1948 के अधीन विद्युत शुल्क भुगतान हेतु सहायता दी जाएगी।
  - नई इकाइयां, सरकार के खाते में जमा कराई गई स्वीकार्य वैट (VAT) राशि के विरुद्ध 80% प्रतिपूर्ति का लाभ 10 वर्षों तक उठाएगी। निवेशित पूँजी की 300% राशि अधिकतम सब्सिडी के रूप में भुगतेय होगी।
  - शून्य वैट (VAT) का अर्थ है वैसे उत्पादन जिसपर वैट नहीं लगता है। वैसे इकाइयाँ जो शून्य वैट वाली वस्तुओं का उत्पादन करती हैं तथा आयकर का भुगतान करती हैं प्रतिष्ठापित क्षमता (अधिकतम सीमा) के 70% के अधिकतम उपयोग तक प्रोत्साहन पाने के योग्य होगी।
  - अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/विकलांग श्रेणी के उद्यमी इस नीति के अधीन नियत सीमा से 5% अतिरिक्त अनुदान/छूट/सब्सिडी का लाभ उठाएंगे।
  - प्रतिवर्ष 30 लाख रुपये तक के व्यापारावर्त (टर्न ओवर), अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/विकलांग श्रेणी के उद्यमी जो छोटे और अति छोटे उद्योग चलाते हैं दस वर्षों तक वैट के रूप में सरकार के खाते में जमा कराई गई राशि के शत प्रतिशत सब्सिडी का लाभ प्राप्त करेंगे।
  - नई औद्योगिक नीति की घोषणा की तारीख से वर्तमान में चालू इकाइयाँ तथा नई इकाइयाँ ए0एम0जी0/एम0एम0जी0 से छूट का लाभ प्राप्त करेंगी। यह सुविधा पाँच वर्षों तक दी जायेगी।
  - बिहार में रजिस्ट्रीकृत लघु और मध्यम इकाइयों द्वारा उत्पादित वस्तुओं पर मात्र 1% का केन्द्रीय बिक्री कर भुगतेय होगा।
  - मौजूदा इकाइयाँ जो विस्तार/विविधता/आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही हैं, अपनी बढ़ती सुविधाओं पर प्रोत्साहन के पात्र होंगे।
  - राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त संगठनों से आई0एस0ओ0 मानक (अथवा समतुल्य) प्रमाण पत्र प्राप्त करने में हुए खर्च के 75% की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा की जाएगी।
- भूमि:—
- निजी निवेश हेतु भूमि बैंक की स्थापना।
  - संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए साम्या (इक्विटी) भागीदारी पर सरकार की ओर से राज्य निवेश उन्नयन ब्यूरो (एस0आई0पी0बी0) के अनुमोदनोपरान्त वर्तमान बाजार मूल्य पर सरकारी जमीन उपलब्ध कराना।
- मनोरंजन कर:—
- वाणिज्यिक तौर पर कार्य प्रारंभ होने से सात वर्षों तक मनोरंजन केन्द्रों को मनोरंजन कर से छूट दी जाएगी।
- आदेश:—**आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति बिहार गजट के विशेष अंक, सुविख्यात पत्रिकाओं और समाचार-पत्रों में प्रकाशित की जाय और सरकार के सभी विभागों/विभागाध्यक्षों और अधीनस्थ पदाधिकारियों के बीच परिचालित की जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
विवेक कुमार सिंह,  
सरकार के सचिव।

No. 1482  
Department of Tourism  
Bihar Tourism Policy, 2009

Resolution

*The 24th July 2009*

**SUBJECT—BIHAR TOURISM POLICY, 2009 FOR ACCELERATED TOURISM GROWTH OF THE STATE.**

Tourism has grown into one of the world's largest industries with a growth rate in excess of 5 percent per annum over the past twenty years. Globally, tourism accounts for 11 percent of the global GDP and 8 percent of the world trade employment. There is growing recognition worldwide of the essential role tourism can play in reducing poverty,

employment generation, environmental regeneration and promoting sustainable development.

In India, tourism and travel sector generate employment to 9.3 million people with optimism of raising this to 12.9 million jobs to the people by 2010. This will mean that the tourism industry would provide job to one person out of 15 people by 2010 in the country. Every rupee spent by a tourist in the state changes hands thirteen times. Every hotel room generates direct employment to three persons and indirect employment opportunities to eight persons.

## TOURISM DEVELOPMENT IN BIHAR – CURRENT SITUATION AND PROSPECTS

Bihar is famous for religious and cultural heritage sites. Bihar draws its name from the word 'vihara' or monastery, and was the early home of Buddhism. Steeped in history and religion, Bihar is the birthplace of the great Emperor Ashoka and Lord Mahavir. All major religions of India have left their mark here and this has made Bihar a great religious melting pot. It is that great land where once Buddha attained enlightenment at Bodh Gaya under the sacred Bodhi tree. Bodh Gaya is now a World Heritage Site and is attracting the Buddhist tourists from across the world. Pawapuri being the Nirwan Sthal of Bhagwan Mahavira attracts people following the Jain religion. Patna Sahib- birth place of Guru Govind Singh, Xth Guru of Sikhs attracts tourists. It also has the Ashoka's installed pillar with Lion capital that has braved more than two millennia raising its head in all its splendors. Historical importance of Bihar has been established again with the discovery of 'biggest ever Buddha stupa' at Kesariya by the Archeological Survey of India.

The states' wealth of religious and historical monuments has, in one way or another, defined tourism in the state. However, the tourism sector's contribution to the state's development priorities and strategies has so far been relatively limited. A review of the sector's competitive strengths and weaknesses, opportunities, and threats (SWOT Analysis) indicates that it has considerable growth potential.

Bihar's great competitive strength from tourism point of view is its ancient and yet living civilization that gave rise to two of world's great religions namely Buddhism and Jainism. Bihar was the nerve centre of religious activities of Hindu, Buddhist, Jain, Sikh and Islam. Endowed with a rich cultural and religious heritage, Bihar was a seat of power of the vast and powerful Magadh Empire, whose might had checked further onslaught of Alexander the Great. This is a land of ancient universities of Nalanda and Vikramshila, the seat of higher learning, which spread knowledge far and wide through its students coming from different countries of the world. The remnants of these two ancient universities, the antiques and artefacts are already attracting tourists. Bihar has in fact been attracting domestic and foreign tourists from the ancient times. The Travelogues of the Chinese travelers Huen Tsang and Fa-Hien describe historical splendor of Bihar, which offers much to tourists irrespective of their age and class. Bihar's contact with other civilizations is reflected in the rich cultural diversity of its people, traditions, customs, religious practices and festivals, architecture and art and craft. A trip to the state offers revelations in history, architecture, yoga, eco-tourism, fairs and festivals, art and crafts besides a unique cuisine.

The main competitive constraints faced by the tourism sector in Bihar have been the poor quality of the environments surrounding many of state's main tourist sites, the

security scenario in the state that affects the perception of Bihar as a safe and secure destination, the quality of facilities and services at tourist attraction places, the quantity and quality of transportation service and related infrastructure, limited availability of tourist information in-source markets and at destination, insufficient marketing of Bihar in its domestic and international markets, limited and poor facilities and services especially in rural areas and limited financing of attractive projects by the private sector.

The key competitive opportunities before Bihar are: 1) develop its strength as a major religious destination attracting tourists of diverse religious beliefs; 2) promote the Buddhist circuit to attract Buddhists from a number of countries; 3) leverage its rich cultural history to increase its share of the huge international travel market; 4) harness the huge potential of promoting rural tourism revolving around its rich tradition of art, craft and handloom and 5) leverage its strength in yoga to develop well-being centres to attract a sizeable number of international and domestic tourists.

The main internal threats to the development of the tourism sector have been the inability to fully resolve the constraints identified above. These are security, safety, absence of trained manpower, inadequate connectivity, accommodation and other basic infrastructure like roads, electricity etc., and failure to market the tourist destinations in the state. External threats are not addressing the competition from other states like Rajasthan, Kerala and Uttar Pradesh. The Tourism Policy 2009 proposes to concentrate on addressing the identified threats and harnessing the opportunities by adopting and implementing appropriate plans to handle the threats and overcome our weaknesses with the objective of increasing the tourist inflow into the state significantly.

## TOURISM DEVELOPMENT OBJECTIVES AND STRATEGIES

### *Key Objectives*

- Position tourism as state priority
- Focus on domestic tourism as a major driver of tourism growth.
- Promote Bihar for cultural, religious and 'wellness' tourism
- Improve the efficiency of the industry, for enhanced social and economic benefit, and consequential increased economic benefits, including increased employment generation.
- Ensure the participation of all the stake holders in society, including the travel trade and tourism industry.
- Create world class infrastructure
- Plan and implement a professionally managed integrated communications strategy to be called the 'Tourism Awareness and Promotion Campaign'
- Provide quality services to all domestic & international consumers and stake holders.
- Improving connectivity of important tourist sites.

### *Strategy for Development*

- 1) Establishment of Tourist Security Force:
  - The State Government shall recruit security personnel to provide security services to the tourists to instill in them a sense of security while visiting to any particular tourist spot and also to offer a helping hand to co-operate with them. For this purpose, competent and skilled force shall be identified or through

- outsourcing qualified and smart security personnel from private sector will be posted at different important identified tourist spots.
- 2) Preparing and Implementing Master Plans for Integrated Development and Marketing of Identified Circuits:
    - The tourism projects implemented under Central assistance and the State plans have not been able to create an impact in terms of creation of international standard tourism infrastructure. A Master Plan with a time frame of 10 years giving year-wise phasing of investment both by the government and the private sector would be developed and implemented. Such a plan would clearly state the short term and long term plans, targets and ground realities.
    - Efforts will be made to dovetail external assistance, central assistance and state plan resources with private investments to attain the set goals as under the Master Plan.
  - 3) Upgrading and Augmenting of Accommodation, Catering and Recreational Facilities:
    - The hotel accommodation in Bihar is grossly inadequate and there is need to not only increase the number of average beds per thousand by building budget hotels, but also build star category hotels at all the important tourist destinations to provide quality services to the high end international and national tourists. 'Land Banks' will be developed to offer land identified for construction of star hotels to private sector at market price/lease/joint venture within the identified circuits.
    - Way side facility is an important part of tourism. In this vein, comfortable rest houses fitted with basic amenities on highways' flanks, alongside the fuel filling stations (petrol pumps), would be created with public and private investments.
    - The state government would also encourage establishment of Heritage Hotels in Bihar by identifying heritage buildings and mansions to convert them to Heritage Hotels in order to provide quality accommodation to tourists.
    - The state government will explore and develop the possibilities for launching Paying Guest Scheme by identifying and registering the houses, house owners and families interested in this stream of tourism development.
    - Light and Sound shows, Laser shows, Multi-media museums etc. would be developed in partnership with private sector for entertaining tourists at important tourist sites including the historical sites.
    - The state government would encourage private sector to set up world class Amusement Parks, Golf Courses, Casinos, Floating restaurants etc. to attract more tourists.
  - 4) Augmenting Connectivity and Transport Facilities by:
    - Connecting tourist spots with world class roads.
    - Introducing more specialized vehicles
    - Introducing special Tourist Trains with a preset itinerary
    - Introducing Air Taxi service and helicopter services in identified circuits with Hub-Airport concept.
  - 5) Improving and Expanding Tourism Products to meet new market requirements:

- Improve infrastructure in identified circuits like Buddhist, Jain and Sikh circuits by converging all resources and expertise for development of these circuits as international standard destinations.
  - Develop and promote new circuits like Ramayan, Sufi and Gandhi circuits.
  - Bihar has a unique cultural heritage. It has a vast array of protected monuments and one world heritage site. There are several other sites like the ruins of Nalanda, the oldest University in the world, that have the potential of being a world heritage site. Scope of cultural tourism shall be expanded by conservation, preservation and integrated development of the area around historical monuments.
  - Promote and develop Rural Tourism around art and crafts of Bihar to spread the socio-economic benefits of tourism to rural areas. Select villages engaged in Madhubani painting, Patharkatti, Handloom and Tussar weaving in districts of Madhubani, Gaya, Nalanda and Bhagalpur shall be taken up for development of tourism facilities to promote rural tourism. With a view to promote handloom and handicrafts of Bihar, 'Shilp Grams' (Craft villages) and handicrafts market shall be established near the tourist place.
  - Promote 'Wellness Tourism' based on yoga and aqua therapy using sulphur water from hot water springs in Rajgir and Munger. Bihar is home to an internationally known Yoga University and has several sulphur water springs having therapeutic quality. This can be Bihar's most unique tourism product offering holistic healing and rejuvenation of the individual from every dimension- physical, mental and spiritual. Knowledge of 'yoga' is something which they can take back with them and practice in their daily lives to distress and keep physically fit.
  - Promote Eco-Tourism by integrating Wildlife Sanctuaries and Valmiki National Park into tourism product. The state would endeavour to develop tourist facilities near its Wildlife Sanctuaries and National Park and develop special packages to attract tourists to these sites.
  - Promote Ganga as a unique tourism product by introducing cruise along the river connecting historical sites near its banks. Riverfront development will be undertaken at identified places like Patna, Bhagalpur to promote tourism. Aqua Tourism shall also be promoted by developing water sports like river rafting, para sailing etc.
- 6) Establishing and Strengthening Institutions for the Development of Human Resources
- Set up Hotel Management Institutes, Food Craft Institutes and Travel and Trade Institutes to create a pool of trained manpower in the hospitality and travel and trade sector.
  - Training of Guides, especially foreign language speaking guides shall be undertaken to fulfill the need for well informed guides speaking different languages at all tourist sites.
  - Short term training would be organized for all the stakeholders in tourism like Immigration officers, Customs officers, Police officers, Taxi drivers etc. under the 'Capacity Building Programme' of Government of India.
- 7) Effective Marketing of Destinations both in the Domestic and International Market
- Shift its current traditional marketing to one that is more aggressive and competitive

- Differentiate itself from competing destinations, including developing a unique market position, image and brand
- Establish an effective and on-going market representation presence with the travel trade in each source market
- Participate in important national and international tourism fairs to showcase tourist destinations in Bihar
- Organize familiarization trips for leading national and international tour operators and media persons to give them first hand information about tourist sites in Bihar
- Strengthen Tourist Information Centres of the state by equipping them with modern information and communication technology (ICT) - computer, fax, internet, email etc. This would help in providing information to the tourists regarding tourist places, hotel bookings, transport facilities etc.
- Establish an Internet portal in various languages to service the information, product description, and product sales requirements of the target market segments in each source market.

#### 8) Focus on Domestic Tourism and Regional Tourism/Cooperation:

While developing tourism to attract foreign tourists the importance of promoting domestic and regional tourism has also to be kept in mind. Domestic tourism market is mostly local or regional and efforts shall be made to attract the domestic tourists, especially religious tourists, to Bihar by facilitating their arrivals, augmenting accommodation facilities and developing tour packages. Also, packages in coordination with Tourism Development Corporations of the neighbouring states shall be promoted to tap the unlimited potential of tourism within the region.

#### 9) Promotion of Arts, Crafts, Festivals and Cuisine of the State

- Bihar has unique events, fairs and festivals like Sonepur fair, Chath festival, Saurat Sabha, Rajgir festival and Boudh festival that need to be promoted as tourism products. These unique events would be integrated with tourism and special tourist packages shall be developed and promoted to attract more international and domestic tourists during these events. A 'Calendar of Events' shall be drawn up every year and promoted in all the source countries and states.
- The unique cuisine of the state like Khaja, Lai, Belgrami, Tilkut, Litti-chokha, Sattu and Makhana preparations will be promoted by holding 'Food Festivals' and ensuring their sale at tourism fairs and through restaurants.

#### ROLE OF STATE GOVERNMENT:

- 1) The role of the state government will that be of a catalyst, facilitator, promoter and provider of infrastructure.
- 2) An administrative body 'Tourism Promotion and Development Council' shall be established in coordination with all the agencies endeavoring to develop and promote tourism. Its main objective will be to work out strategies for the comprehensive

development of tourism while establishing synchronization and harmony with all the stakeholders of the tourism industry as well as to make regular analysis about the state of tourism and issue necessary directives thereafter. The Bihar State Tourism Development Corporation shall work as an executing agency to this council.

- 3) The State Government will continue its efforts for infrastructure development in the tourism sector.

Important components for infrastructural development are-- Arranging accommodation for increased number of tourists, building of highways on tourist circuits, international level airports with total aviation back up facilities, local transport, rail routes linking tourist spots with full amenities and facilities, the vital telecommunication link, continuous quality electricity supply, water supply and other essential amenities like Banking and Medical facilities.

- 4) The state will create conditions for attracting private sector investment in the tourism sector. For this, it will provide fiscal incentives, assist in providing suitable sites by creating 'land bank' and remove bottlenecks especially those concerned with infrastructure development by according speedy clearances through Single Window Clearance System.

- 5) The state government will set up or assist in setting up training institutions for ensuring quality services in the tourism sector. Guidelines for selection and training of Guides at two levels, State and Local, shall be drawn up. The Department of Tourism shall provide license to the guides selected and trained in accordance with these guidelines.

- 6) Create special Tourism Security Force for deployment at major tourist destinations. This will provide travelers security through a spirit of courtesy and hospitality.

- 7) Standardizing quality of tourism product and services by drawing up guidelines for hotels and travel agents/tour operators.

- 8) Tourism entails multi-sectoral activities with participation of several stakeholders. An administrative mechanism will be evolved to coordinate the agencies participating in the tourism development endeavor.

- 9) The state government shall endeavour to create awareness about the positive role of tourism in economic growth and generation of employment by organizing seminars, quiz competitions, drawing competitions, exhibitions and display of films on tourism. Efforts would be made to include 'tourism' in school curricula. Educational tourism at school and college levels would be promoted by developing special tour packages for the students.

- 10) The state government along with Bihar State Tourism Development Corporation shall take the lead in marketing and promoting the tourist destinations and tourism products in Bihar with the help of a Marketing Plan.

**ROLE OF BIHAR STATE TOURISM DEVELOPMENT CORPORATION:**

Bihar State Tourism Development Corporation (BSTDC), monitored by its parent Tourism Department, would act as the nodal executing agency of the state government. Its primary objective shall be to set up infrastructural facilities like hotels in untapped areas of tourist interest. Once these areas are developed, the BSTDC would seek to privatize the facilities and move to provide similar facilities in other underdeveloped areas of tourist interest.

The BSTDC shall make rapport with the Tourism Promotion and Development Council and shall work as an executing agency for the overall growth of tourism in the state.

The BSTDC shall also redefine its role to be the administrative agency in addition to the State Tourism Department for facilitating private sector investment and formation of Joint Venture Companies for setting up world class infrastructure.

The BSTDC would continue to play an important role in providing transportation facilities to tourists, especially in sectors where private services are either non existent or insufficient. The BSTDC would also expand the facility of 'pre-paid taxis' to all important airports and stations of the state. For this the Corporation would adopt the twin strategy of increasing its fleet and entering into partnerships with private operators.

The BSTDC shall continue its efforts to operate tour packages covering prominent centres of tourist interest in the state. The BSTDC would seek to promote regional tourism by developing packages in partnership with Tourism Corporations/Boards of neighbouring states. The facility of online bookings for package tours and travels shall be augmented to allow bookings through use of credit cards.

**SPECIAL INCENTIVES****Tourism as Industry:**

“Tourism Industry” encompasses entire activities pertaining to the tourism industry viz. tourism attraction/ convention centers promoting tourism, art gallery, amusement park, aerial ropeway, establishment of tourist village, light and sound, sports facilities to attract tourism, recreational clubs, swimming pool, residences, hotels of all categories, motels, way-side facilities, resorts, yoga centers, transportation facilities (air, land and water transportation), establishment, construction, development and operation of all basic infrastructures of hotel-catering-tourism and travel management institutes.

The following incentives will be available for private entrepreneurs as well as the BSTDC:

- Full (100%) exemption in Stamp Duty and Registration Fee in lease / sale / transfer of land for setting up a tourism project. This facility will be granted only once.

- New Projects shall be exempt from Luxury Tax for seven years from the commencement of commercial operations.
- Full (100%) exemption in Electricity Duty for seven years.
- Full (100%) exemption in Conversion Charge.
- Reimbursement of the cost incurred in the project report preparation by the tourism units at the rate of 50% subject to a maximum of Rs. 75,000/- provided the project report is prepared by any of the firms recognized by the Industry Department. The reimbursement will be made to the unit after coming into operation.
- The Tourism Units located in Bihar Industrial Area Development Authority / Export Promotion Industrial Park / Food Park / Agri Export Zone would be eligible for the following incentive / subsidy on land/shed. These facilities / concession to the tourism units will be made available only after coming into operation:

S. N.	Tourism Unit	Grant
1.	Small / Tiny units Financial Limit.	50% of 7.50 lakh (maximum)
2.	All large / medium / mega units Financial Unit	25% of 15.00 lakh (maximum)

- If an entrepreneur obtains Technical Know-how from any recognized National Research Centre / laboratory or institution to establish or to expand his industry, he will be reimbursed 30% (maximum Rs. 15.00 lakh) of the fee paid to the institution / organization for the technical know-how. This facility will be provided to the unit after coming into operation.
- 50% (Fifty percent) of the amount spent on plant and machinery in the establishment of Captive Power Generation/Diesel Generating Set will be granted to the unit. No upper limit for this amount has been fixed. This facility will be made available after the unit comes into operation.
- New tourism units will be granted relief from payment of electricity duty under the Bihar Electricity Duty Act, 1948 for the generation and for own consumption of electricity from D.G. Set and Captive Power Units.
- The new Units will avail 80% reimbursement against the admitted VAT amount deposited in the account of the Government, for a period of ten years. The maximum Subsidy amount is payable 300% of the capital invested.
- Zero VAT means the production of items, which do not attract VAT. Such units which produce items attracting zero Vat and Pay income tax would be eligible for incentive upto a maximum utilization of 70% of the installed capacity (maximum limit).
- SC/ST/Women/Handicapped entrepreneurs will avail 5% additional grant /exemption / subsidy over the limit fixed under the policy.
- Up to a turnover limit of Rs. 30 lakh per annum, S.C. / S.T. / Women/ Handicapped category entrepreneurs who run small and tiny industries will avail 100% subsidy of the deposited amount in the account of Government in the form of VAT for a period of ten years.

- Working units at present and new units will avail exemption from AMG / MMG from the date of declaration of the New Industrial Policy. This facility will be granted for five years.
- Only 1% CST will be payable on the items produced by the registered small and medium units in Bihar.
- Existing units which are undergoing Expansion / Diversification / Modernization will be eligible for incentives, on their incremental facilities.
- 75% of cost incurred in obtaining certificate of I.S.O. standard (or equivalent) from reputed national/international level organizations, would be reimbursed by the State Government.

**Land:**

- Constitution of Land Bank for private investment.
- Government land will be offered with the approval of State Investment Promotion Bureau (SIPB) as equity participation on behalf of the government at current market value for setting up Joint Ventures.

**Entertainment Tax:**

- Entertainment Centres will be exempt from Entertainment Tax for seven years from the commencement of commercial operations.

**Order:-** It is ordered that a copy of the resolution should be sent for publication in the special edition of the Bihar Gazette, Reputed Journals and Newspapers and be circulated among all the Departments / Departmental heads and Subordinates officials of the Government.

By order of the Governor of Bihar,  
VIVEK KUMAR SINGH,  
*Secretary to Government.*

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 413-571+500-डी0टी0पी0।  
**Website: <http://egazette.bih.nic.in>**